भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

20.03.2013 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 3692

यूरेनियम की कमी

3692. श्री राकेश सिंह:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए यूरेनियम की कमी है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या हमारा देश यूरेनियम की आपूर्ति के लिए अभी भी अन्य देशों पर निर्भर है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या हमारे देश के पास यूरेनियम में आत्मनिर्भर होने की क्षमता है; और

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय

(श्री वी. नारायणसामी)

(क) जी, हाँ।

(ख) देश में प्रचालनरत 19 नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों, जिनकी स्थापित क्षमता 4680 मेगावाट है, में से 2840 मेगावाट क्षमता वाले दस नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों में स्वदेशी यूरेनियम को ईंधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है, जोकि अपेक्षित मात्रा में उपलब्ध नहीं है। शेष 9 नाभिकीय रिएक्टर, जिनकी क्षमता 1840 मेगावाट है, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षोपायों के अंतर्गत आते हैं। इन 9 रिएक्टरों में आयातित यूरेनियम का उपयोग किया जाता है, जो अपेक्षित मात्रा में उपलब्ध है।

(ग) जी, हाँ।

(घ) विभाग ने, अब तक, फ्रांस, रूस और कज़ाकिस्तान से ईंधन का आयात किया है।

(ङ) जी, हाँ।

(च) भू-वैज्ञानिक आंकड़े यह दर्शाते हैं कि हमारे देश के कई भागों में यूरेनियम के पर्याप्त *स्वस्थाने* स्रोतों को उपलब्ध कराने की क्षमता है। परमाणु अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग का एक संघटक यूनिट है, यूरेनियम के *स्वस्थाने* स्रोतों का पता लगाने के कार्य में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और इसने, अभी तक, देश में 1,86,653 टन *स्वस्थाने* यूरेनियम (U_3O_8) स्रोतों का पता लगाया है।